उत्कृष्ट गुणवत्ता के साथ अध्यापन कार्य पर हो फोकस : प्रो.सिंह

यूटीयू में परिसर निदेशकों के नेतृत्व विकास कार्यक्रम का समापन

देहरादून। वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) में स्थापित एकैडमिक स्टाफ डेवलपमेंट सेन्टर के तत्वाधान में सम्बद्ध परिसर संस्थानों के निदेशकों के गुणवत्ता संवर्धन हेतु आयोजित तीन दिवसीय लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम का सफलतापूर्वक समापन हो गया हैं। लीडरशिप प्रोग्राम के प्रत्येक दिन पांच-पांच सत्र आयोजित कर विभिन्न मुद्दो जैसे-उच्च शिक्षण संस्थानों के स्ट्रैटिजिक विजन व प्लानिंग, उच्च शिक्षण संस्थानों क्राइसिस मैनेजमेंट, पर्सनल डेवलपमेंट और कल्याण, अन्य संगठनों से उच्च शैक्षणिक नेतृत्व की भिन्नता, भारत में उच्च शिक्षण संस्थानों की जटिलता, नये युग की प्रौद्योगिकी और तकनीकी उद्यमिता, उच्च शिक्षण संस्थानों में हितधारक प्रबन्धन, शैक्षणिक संस्थानों में प्रभावी प्रबन्धन, शैक्षणिक संस्थानों में नवाचार और अनुसंधान, शैक्षणिक संस्थानों में मूल्यांकन, सतत सुधार एवं प्रतिभा प्रबन्धन, उच्च शिक्षण संस्थानों में शासन और नैतिकता व वित्त प्रबन्धन जैसे मुद्दों पर अपने अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल विशेषज्ञों व जानकारों ने विस्तार से लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम के आवंटित सत्र में अपने विचारों को रखते हुए आयोजित कार्यक्रम के अनुरूप तकनीकी विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थानों, परिसर संस्थानों के निदेशकों, डीन्स व प्रोफेसरों को एक सफल लीडरशिप की भूमिका कैसे निभायी जाती है,का गुरुमंत्र दिया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर एफिलिएटेट संस्थानों और परिसर संस्थानों के निदेशक, डीन्स तथा प्रोफेसरों ने कहा कि तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान करने के उददेश्य से पहली बार इस तरह के कार्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा संस्थानों के निदेशकों की कार्यशैली में गुणात्मक सुधार हेतु एक विजन के रूप में सकारात्मक दिशा की ओर बढ़ते हुए आयोजित कर सराहनीय कार्य किया है।निदेशकों ने कहा कि संस्थानों को इस कार्यक्रम के आयोजन जिसमें विशेषज्ञों द्वारा पाठ्यक्रम व संस्थाना संचालन में हेतु लीडरशिप के गुरूमंत्र के सुझाव देकर बूस्टअप का कार्य है। इससे टीचिंग-लर्निंग के दृष्टिगत इस प्रकार के डेवलमेंट प्रोग्राम आयोजित छात्रहित में आवश्यक भी है। कार्यक्रमों के समापन अवसर पर कुलपति प्रो.ओंकार सिंह द्वारा संस्थानों के शिक्षकों तथा निदेशकों हेतु विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने का आह्वान किया तथा अपेक्षा की गई कि उत्कृष्ट गुणवत्ता के साथ अध्यापन कार्य कराये जायें। तीन दिवसीय लीडरशिप प्रोग्राम में पूर्व कुलपति उत्तर प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय व उप निदेशक आईटी कानपुर प्रो. कृपा शंकर, भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त आईएएस संजीव चोपड़ा, दून विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर डा. राजेश भट्ट, प्रो.पीआर अग्रवाल पूर्व कुलपति वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश, प्रो.केपी सिंह पूर्व निदेशक आईआईटी बीएचयू बनारस व पूर्व कुलपति पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, अरविन्द दीक्षित सीईओ एण्ड डारेक्टर ऑफ एडवांस टैक्नोलॉजी, इण्डिया प्रा.लि. चण्डीगढ़, डा.ललित अवस्थी निदेशक एनआईटी श्रीनगर (गढ़वाल), प्रो.एके खरे पूर्व डायरेक्टर आईईटी लखनऊ व पूर्व प्रतिकुलपति यूपीटीयू लखनऊ, संजीव मित्तल भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्त और उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह व वित्त नियंत्रक विक्रम सिंह जंतवाल भी लीडरशिप कार्यक्रम में उपस्थित रहे।वहीं दूसरी ओर विश्वविद्यालय के परिसर महिला प्रौद्योगिकी संस्थान में एआईसीटीई के प्रायोजन में विश्वविद्यालय द्वारा युनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज (मानवीय मूल्यों) विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें पूरे उत्तराखण्ड राज्य के इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट क्षेत्र के 64 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।